



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 181] नई दिल्ली, मग्नवार, जून 20, 1978/ज्येष्ठ 30, 1900
No. 181] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 1978/JYASTHA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के
रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

विस्त मंत्रालय

(आधिकारिक कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1978

सा. का. नि. 328 (अ).—नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शर्चितसद्वं तथा सेवा की
शर्तों) अधिनियम 1971 (1971 का 56) की धारा 11 के पहले परन्तुक इवारा प्रवृत्त
शरीरियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपीत ने, नियंत्रक महालेखापरीक्षक के साथ परामर्श करने
के बावें, एतद्वारा, नियंत्रक महालेखापरीक्षक को संघ के प्रयोजन के लिए वार्षिक प्राप्तियों
और भूगतानों से मंबंधित शीषों के अन्तर्गत दिखाने वाले प्रत्येक वर्ष के खाते तंथार करने
के उत्तरान्तर्गत से मुक्त कर दिया है।

यह आदेश 1977-78 के खातों से लागू होगा।

राष्ट्रपति के आदेश और उनके नाम से

[संख्या 1(12)-बी(एसी.)/78]

के रूप, संधृक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 20th June, 1978

ORDER

G.S.R. 328(E).—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 11 of the Comptroller and Auditor-General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971) the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General, hereby relieves the Comptroller and Auditor-General from the responsibility for the preparation in each year of the accounts showing under the respective heads the annual receipts and disbursement for the purpose of the Union.

This Order shall be applicable to the accounts relating to the year 1977-78 onwards.

By order and in the name of the President.

[No. 1(12)-B(AC)/78]

K. N. ROW, Jt. Secy.